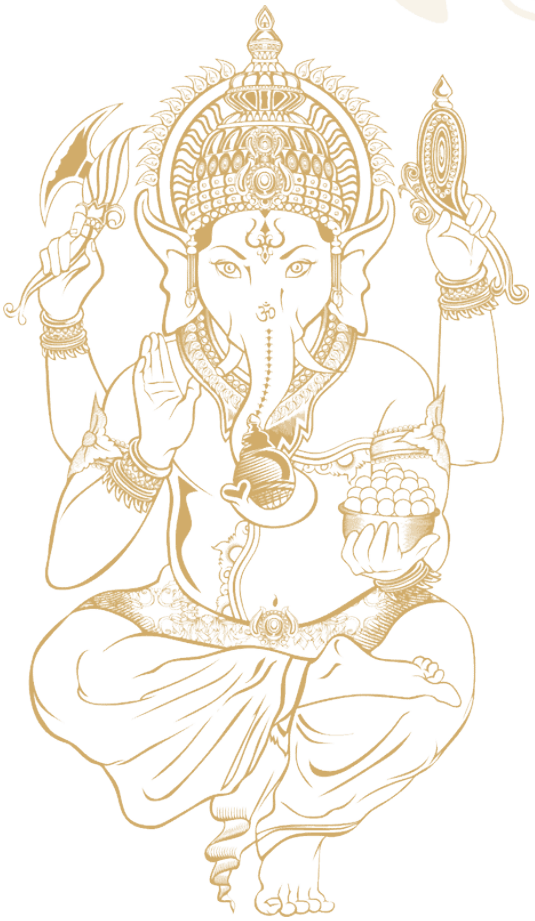

Ms.

13 Feb 2026

01:47 PM

Hardwar

Model: web-freekundliweb

Order No: 121474203

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**13/02/2026**
दिन	शुक्रवार
जन्म समय	**13:47:00 घंटे**
इष्ट	16:59:02 घटी
स्थान	**Hardwar**
राज्य	Uttarakhand
देश	India

अक्षांश	29:58:00 उत्तर
रेखांश	78:09:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:17:24 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	13:29:36 घंटे
वेलान्तर	-00:14:12 घंटे
साम्पातिक काल	23:03:08 घंटे
सूर्योदय	06:59:23 घंटे
सूर्यास्त	18:04:13 घंटे
दिनमान	11:04:51 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शिशिर
सूर्य के अंश	00:24:22 कुम्भ
लग्न के अंश	06:00:56 मिथुन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मिथुन - बुध
राशि-स्वामी	**धनु - गुरु**
नक्षत्र-चरण	**मूल - 4**
नक्षत्र स्वामी	केतु
योग	वज्र
करण	बालव
गण	राक्षस
योनि	श्वान
नाड़ी	आद्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	मानव
वर्ग	मूषक
युँजा	अन्त्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	भी-भीनी
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कुम्भ

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मिथु	06:00:56	330:32:48	मृगशिरा	4	5	बुध	मंगल	चंद्र	---
सूर्य			कुंभ	00:24:22	01:00:40	धनिष्ठा	3	23	शनि	मंगल	बुध	शत्रु राशि
चंद्र			धनु	12:06:13	12:08:54	मूल	4	19	गुरु	केतु	बुध	सम राशि
मंगल		अ	मक	22:11:28	00:47:11	श्रवण	4	22	शनि	चंद्र	शुक्र	उच्च राशि
बुध			कुंभ	16:32:14	01:33:46	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	शुक्र	सम राशि
गुरु	व		मिथु	21:56:11	00:04:53	पुनर्वसु	1	7	बुध	गुरु	शनि	शत्रु राशि
शुक्र			कुंभ	09:25:41	01:15:08	शतभिषा	1	24	शनि	राहु	गुरु	मित्र राशि
शनि			मीन	05:42:12	00:06:34	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	बुध	सम राशि
राहु	व		कुंभ	14:49:24	00:02:18	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	केतु	मित्र राशि
केतु	व		सिंह	14:49:24	00:02:18	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	शुक्र	शत्रु राशि
हर्ष			वृष	03:16:26	00:00:29	कृतिका	2	3	शुक्र	सूर्य	शनि	---
नेप			मीन	06:17:07	00:01:55	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	बुध	---
प्लूटो			मक	09:51:28	00:01:49	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	---
दशम भाव			कुंभ	20:20:31	--	पू०भाद्रपद	--	25	शनि	गुरु	गुरु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:26

लग्न-चलित

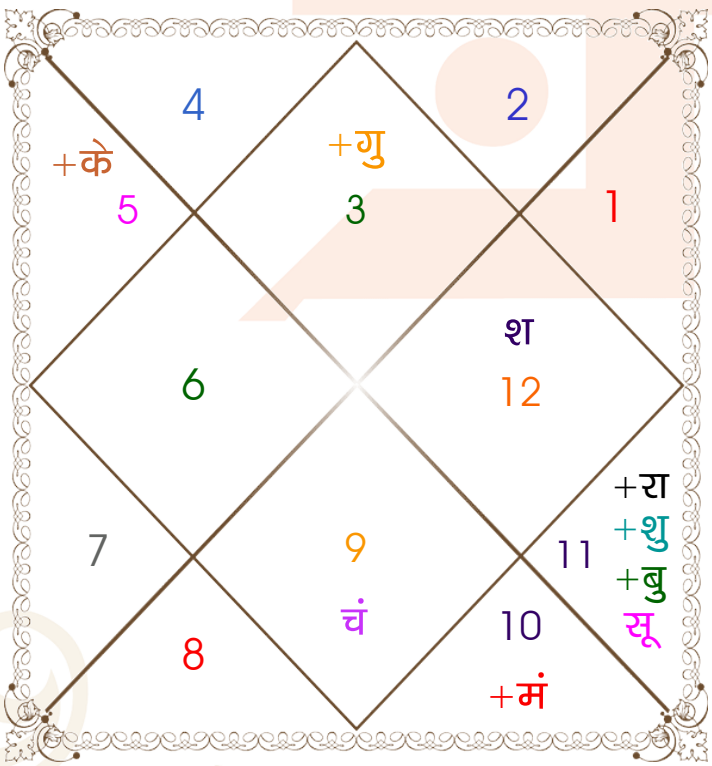

चन्द्र कुंडली

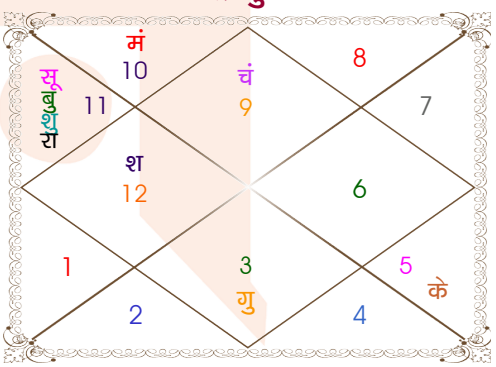

नवमांश कुंडली

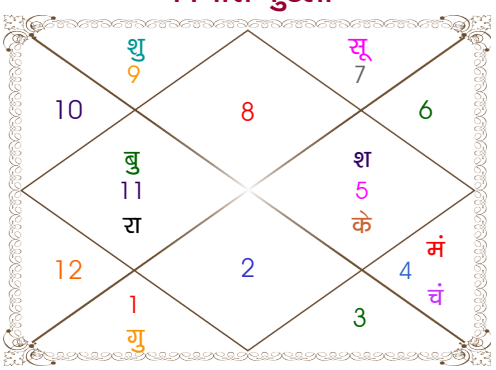

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : केतु 0 वर्ष 7 मास 22 दिन

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
13/02/2026		07/10/2026		07/10/2046		06/10/2052		07/10/2062	
07/10/2026		07/10/2046		06/10/2052		07/10/2062		07/10/2069	
	00/00/0000	शुक्र	05/02/2030	सूर्य	24/01/2047	चंद्र	07/08/2053	मंगल	05/03/2063
	00/00/0000	सूर्य	06/02/2031	चंद्र	26/07/2047	मंगल	08/03/2054	राहु	23/03/2064
	00/00/0000	चंद्र	06/10/2032	मंगल	01/12/2047	राहु	07/09/2055	गुरु	26/02/2065
	00/00/0000	मंगल	06/12/2033	राहु	25/10/2048	गुरु	06/01/2057	शनि	07/04/2066
	00/00/0000	राहु	06/12/2036	गुरु	13/08/2049	शनि	07/08/2058	बुध	04/04/2067
	00/00/0000	गुरु	07/08/2039	शनि	26/07/2050	बुध	06/01/2060	केतु	01/09/2067
	00/00/0000	शनि	07/10/2042	बुध	01/06/2051	केतु	06/08/2060	शुक्र	31/10/2068
	13/02/2026	बुध	07/08/2045	केतु	07/10/2051	शुक्र	07/04/2062	सूर्य	08/03/2069
बुध	07/10/2026	केतु	07/10/2046	शुक्र	06/10/2052	सूर्य	07/10/2062	चंद्र	07/10/2069

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
07/10/2069		07/10/2087		08/10/2103		08/10/2122		08/10/2139	
07/10/2087		08/10/2103		08/10/2122		08/10/2139		14/02/2146	
राहु	19/06/2072	गुरु	24/11/2089	शनि	11/10/2106	बुध	06/03/2125	केतु	05/03/2140
गुरु	12/11/2074	शनि	07/06/2092	बुध	20/06/2109	केतु	03/03/2126	शुक्र	05/05/2141
शनि	18/09/2077	बुध	13/09/2094	केतु	30/07/2110	शुक्र	01/01/2129	सूर्य	10/09/2141
बुध	07/04/2080	केतु	19/08/2095	शुक्र	28/09/2113	सूर्य	07/11/2129	चंद्र	11/04/2142
केतु	25/04/2081	शुक्र	19/04/2098	सूर्य	10/09/2114	चंद्र	08/04/2131	मंगल	07/09/2142
शुक्र	25/04/2084	सूर्य	06/02/2099	चंद्र	11/04/2116	मंगल	05/04/2132	राहु	26/09/2143
सूर्य	20/03/2085	चंद्र	08/06/2100	मंगल	21/05/2117	राहु	23/10/2134	गुरु	01/09/2144
चंद्र	19/09/2086	मंगल	15/05/2101	राहु	27/03/2120	गुरु	28/01/2137	शनि	11/10/2145
मंगल	07/10/2087	राहु	08/10/2103	गुरु	08/10/2122	शनि	08/10/2139	बुध	14/02/2146

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल केतु 0 वर्ष 7 मा 21 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म मृगशिरा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में मिथुन लग्न में हुआ है। आपके जन्मकाल पूर्वीय क्षतिज पर मिथुन लग्न उदीयमान था। तत्कालिक वृश्चिक नवमांश एवं मिथुन द्रेष्काण के प्रभाव से यह स्पष्ट है कि आप व्यक्तिगत रूप से अपने जीवन को विविध व्यंजित प्रकार से संचालनार्थ दृढ़ निश्चयी हैं।

आपकी विशेषता यह है कि आप सदैव सभी चीजों में विविधता की झलक देखेंगी तथा विविधायुक्त प्राप्त करेंगी।

आपकी आकृति दुर्बल अर्थात शरीर से दुबली लंबी एवं आखें आकर्षक हैं। यह प्रमाणित है कि आप विपरीत योनि के सदस्यों के साथ लोकप्रियता का रूख रखती हैं। परिणाम स्वरूप अनेक प्रेम संबंध के प्रति अपने पति के साथ विरोधात्मक रूख अपना लेती हैं तथा आप कठोरतम कदम उठाकर गृह त्याग करने की धमकी देती हैं। आप शीघ्रता पूर्वक अपने रौबिले कार्य कलाप से जीवन संगी के साथ क्लेश युक्त वातावरण उत्पन्न कर लेती हैं। आपके कार्यकलाप भी विभिन्नताओं से युक्त हैं। आप सदैव एक व्यवसाय को छोड़कर अन्य व्यवसाय के लिए छलांग लगाना आपकी अत्यावश्यक दिनचर्या है।

आप एक ही समय साथ-साथ दों कार्यभार का संपादन करने के लिए तत्पर हो जाती हैं तथा उसे सकारात्मक रूप भी देती हैं। परिणामस्वरूप आप एकाग्रता पूर्वक अच्छे ढंग से कोई कार्य एक साथ एक समय पर नहीं कर पाती हैं।

आपके आय का क्षेत्र व्यापक हैं, अतः आप निःसंदेह समय-समय पर बहुत कुछ लाभ प्राप्त कर लेंगी। परंतु यह लाभ अधिक दिनों तक सुरक्षित नही रह सकेगा। क्योंकि आप की आदत ऐसी है कि आप आनंद प्राप्त करने के उमंग में खर्चीली तथा अपव्ययकारी हो जाती हैं। जबकि व्यवसायिक पक्ष के मित्र आपके घर आते हैं। उस समय आप अपने स्वामी अथवा व्यवसायिक महारथियों के साथ आमोद-प्रमोद करना पसंद करती हैं। आपके असावधानी पूर्वक अचेत होकर अवकाश के समय कठिनतम संपत्ति को व्यय कर देने से जीवन में उतार-चढ़ाव के दिन देखने पड़ते हैं। इसलिए ऐसी आशंका ही नही कि आपका संपूर्ण जीवन संघर्षपूर्ण परिस्थितियों के साथ गुजरे अपितु यह पूर्णरूपेण संभाव्य है कि आपका जीवन संघर्षमय रहेगा।

आप किसी भी कार्य को संपादन करने के निर्णय को परिवर्तन करने के बजाय, आप इस प्रकार की सीख लेकर अपने स्वभाव को विस्तार पूर्वक नियम कर लें तथा बार-बार अन्य क्षेत्र में हाथ न फैलाएं।

इसमें कोई संदेह नहीं कि आपकी मित्रमंडली बड़ी है तथा ये कठिन परिस्थितियों में बहुत दिनों तक आपका साथ निभा सकना प्रमाणित करेंगे।

यह तथ्य पूर्ण बात है कि आपके मित्रों को आपकी मनोवृत्रि का ज्ञान होना कठिनतम है। क्योंकि आपमें मित्रों को बदलते रहने की आदत है तथा आपके इस अभिप्राय को कोई समझ नही पाता है। परिणाम स्वरूप बहुतायत में आपके मित्र अत्यावश्यक समय पर

आपका साथ छोड़ देते हैं। अर्थात् आवश्यकता पड़ने पर कोई आप का मददगार नही होता है।

संप्रति आप पूर्णरूपेण स्वस्थ हैं। बड़ी रोग या तकलीफ के पूर्व ही आपको सचेत रहना अति उत्तम है। आपकी छलांग लगाने की प्रवृत्ति से आपको विश्राम नही मिलता क्योंकि आपके मस्तिष्क में बहुत सी बातों का विचार एवं कार्य संपादन मस्तिष्क पर अधिक भार डालने का प्रयास करते रहते हैं।

अतः आप ऐसा सबक लेंकर अपने मस्तिष्क से चिंता करना छोड़ दें अर्थात् चिंताओं को दिमाग से निकाल दें तथा सुखपूर्वक विश्राम एवं शयन करें।

आपको भावी रोगादि तथा किड़नी की दिक्कतें, शारीरिक खुजलाहट, इन्फ्लुऐंजा एवं श्वांसनली की विकृतियों के प्रति सावधानी बरतना चाहिए ताकि स्वास्थ्य लाभ की निश्चितता एवं पूर्ण स्वास्थ्य लाभ प्राप्त हो सके। आप अपने खान-पान की आदतों के संबंध में भी सतर्क रहें तथा क्रमिक रूप से स्वास्थ्य परीक्षण कराना भी सहायक होगा।

आपके लिए बुधवार, एवं शुक्रवार, का दिन अनुकूल हैं, तथा मंगलवार रविवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन कठिन एवं हानिप्रद प्रमाणित होगा। शनिवार मध्य फलदायक है।

आपके लिए वास्तव में 7 एवं 3 अंक शुभ एवं अनुकूलता दायक है। अंक 4 एवं अंक 8 पर निर्भर न रहें क्योंकि ये अंक पूर्ण फलदायी नही हैं।

आप लाल एवं काला रंग का व्यवहार नहीं करें। आपके लिए पीला, नीला, गुलाबी एवं हरा रंग शुभ एवं प्रेरक है।